बापू

स्वाध्याय

पद्यांश 1

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 39 पर दी गई पंक्तियाँ (1 से 14 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

[चरमोन्नत जग में ....

.... मानव के बंधन?]

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

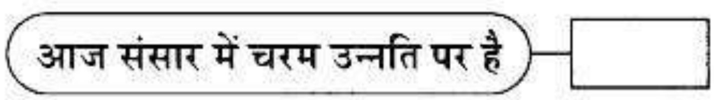

उत्तर: विज्ञान का ज्ञान

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

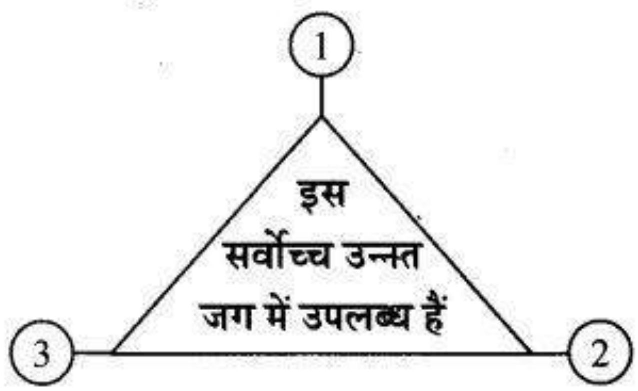

उत्तर: 1. बहुत से भौतिक साधन

2. यंत्रयान

3. महान वैभव

कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

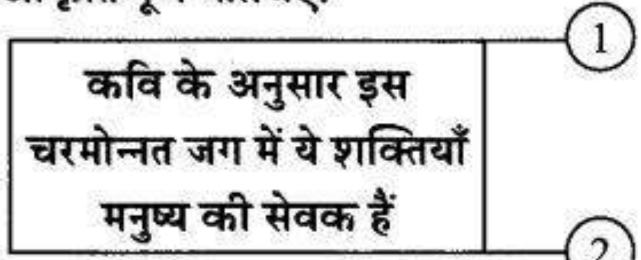

उत्तर: 1. विद्युतशक्ति 2. वाष्पशक्ति

कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

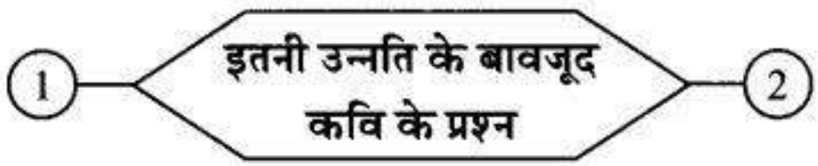

उत्तर: 1. फिर संसार में इतनी पीड़ा क्यों है?

2. फिर मानव जीवन इतना अशांत क्यों है?

कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

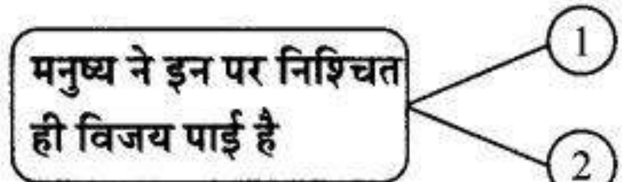

उत्तर: 1. देश 2. काल

कृ.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. भावना के नए उल्लास की

2. मनुष्य के हृदय में फिर से मानवता स्थापित करने की

कृ.7. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: बापू

कृ.8. आकृति पूर्ण कीजिए:

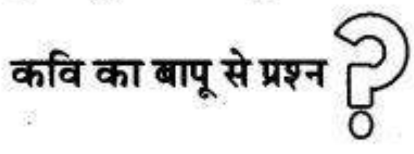

उत्तर: क्या तुम मनुष्य को बंधनों से मुक्त नहीं कर पाओगे?

कृ.9. आकृति पूर्ण कीजिए:

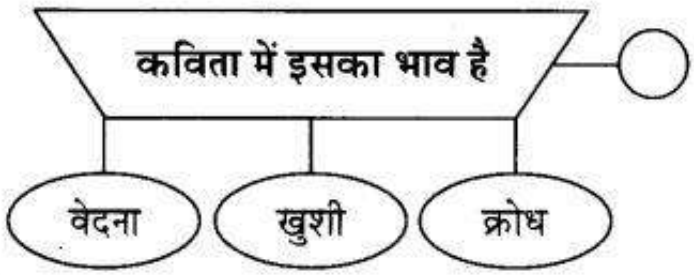

उत्तर: वेदना

कृ.10. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. जिसका सर्वोच्च विकास हो चुका हो
2. जिसे बार-बार दोहराया या बोला जाए
3. नए उल्लास का संचार या विकास की नई राहें खुलना

उत्तर: 1. चरमोन्नत 2. चर्वित

3. नवोन्मेष

कृ.11. मनुष्य को हृदयहीन बताने वाली काव्य पंक्ति है –

उत्तर: मानव के पास नहीं मानव का आज हृदय!

कृ.12.सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. चरमोन्नत जग में जबकि आज ________।

(महाज्ञान, विज्ञानज्ञान, कृषिविज्ञान)

2. सेव हैं विद्युत ________: धनबल नितांत।

(अश्वशक्ति, वायुशक्ति, वाष्पशक्ति)

3. भौतिक मद से ________ हो गई वितिज।

(प्रेतात्मा, मानवआत्मा, विश्वात्मा)

4. मानवउर में फिर ________ का हो प्रवेश।

(भौतिकता, आध्यात्मिकता, मानवता)

उत्तर: 1. विज्ञानज्ञान 2. वाष्पशक्ति
3. मानवआत्मा 4. मानवता

कृ.13.निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. इस चरमोन्नत संसार में अत्यंत धनबल मौजूद है। ☐
2. मनुष्य के भौतिक वस्तुओं के संग्रह का प्रयास निंदनीय है। ☐

उत्तर: 1. सत्य 2. असत्य

कृ.14.निम्नलिखित विधानों को पद्यांश में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. आज विश्व को नया उल्लास चाहिए।
2. इंसान ने देश और काल पर विजय प्राप्त कर ली है।

3. आज लोग बापू की ओर उम्मीद की निगाहों से देख रहे हैं।

4. फिर जग में उत्पीड़न क्यों है? जीवन अशांत क्यों है?

उत्तर: 1. फिर जग में उत्पीड़न क्यों है? जीवन अशांत क्यों है?

2. इंसान ने देश और काल पर विजय प्राप्त कर ली है।

3. आज विश्व को नया उल्लास चाहिए।

4. आज लोग बापू की ओर उम्मीद की निगाहों से देख रहे हैं।

कृ.15. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ		ब
1.	चरमोन्नत	अ.	अशांत
2.	जीवन	ब.	नवोन्मेष
3.	मानव	क.	जग
4.	मानवआत्मा	ड.	हृदय
5.	भाव	इ.	वितिज

उत्तर: (1 – क), (2 – अ), (3 – ड), (4 – इ), (5 – ब)।

कृ.16.सही विकल्प चुनकर पंक्ति पूर्ण कीजिए:

1.

मानव के पास नहीं

- दानव का आज हृदय!
- मानव का आज हृदय!
- वानर का आज हृदय!

2.

तुम खोल नहीं पाओगे

- मानव के बंधन?
- मानव के कंगन?
- मानव के जीवन?

उत्तर: 1. मानव के पास नहीं **मानव का आज हृदय!**

2. तुम खोल नहीं पाओगे **मानव के बंधन?**

कृ.17. संगत शब्द खोजकर लिखिए:

1. चर्चित / चर्वित उसका विज्ञानज्ञान : वह नहीं पचित।
2. भौतिक मद से मानवआत्मा हो गई वितिज / क्षितिज!

उत्तर: 1. चर्वित 2. वितिज

कृ.18. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. मनुष्य को भौतिक सुखों के पीछे नहीं भागना चाहिए।

2. मनुष्य के हृदय में मानवता की भावना होनी चाहिए।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखिए:

1. समृद्धि
2. बिजली
3. अत्यंत
4. पीड़ा
5. विचलित
6. समय
7. स्वीकृत
8. घमंड
9. समाप्त
10. सराहनीय
11. मनुष्य
12. जमा
13. संवेदना
14. हृदय
15. आँख
16. बेड़ी

उत्तर:

1. वैभव	2. विद्युत
3. नितांत	4. उत्पीड़न
5. अशांत	6. काल
7. पचित	8. मद
9. वितिज	10. श्लाघ्य
11. मनुज	12. संचय
13. भावना	14. उर
15. लोचन	16. बंधन

कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्‌धार्थी शब्द पद्‌यांश में से खोजकर लिखिए:

1. आध्यात्मिक × ______
2. प्रशांत × ______
3. अपचित × ______
4. अपरिग्रह × ______

5. निकास ×

6. मुक्ति ×

उत्तर: 1. भौतिक 2. अशांत

3. पचित 4. संचय

5. प्रवेश 6. बंधन

कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

1. आत्मा 2. भावना

उत्तर: 1. आत्माएँ 2. भावनाएँ

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.	त्र	न	यं	या
2.	ल	ब	न	ध
3.	ष	न	न्मे	वो
4.	व	मा	ता	न

उत्तर: 1. यंत्रयान 2. धनबल

3. नवोन्मेष 4. मानवता

कृ.5. निम्नलिखित शब्दों का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. वाष्पशक्ति 2. उत्पीड़न

3. नवोन्मेष

उत्तर: 1. शुरुआत में रेल का इंजन **वाष्पशक्ति** से चलता था।

2. दलितों का **उत्पीड़न** बंद होना चाहिए।

3. कवि के हृदय में भावनाओं का **नवोन्मेष** हुआ।

कृ.6. उचित जोड़िया मिलाइए:

अशांत होना, मानव का हृदय न होना, बंधन खोलना

मुक्त करना, क्रूर होना, विचलित होना

उत्तर: अशांत होना – विचलित होना

मानव का हृदय न होना – क्रूर होना

बंधन खोलना – मुक्त करना

कृ.7. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:

1. फिर क्यों जग में उत्पीड़न जीवन यों अशांत
2. बापू तुम पर है आज लगे जग के लोचन

उत्तर: 1. फिर क्यों जग में उत्पीड़न? जीवन यों अशांत?

2. बापू! तुम पर है आज लगे जग के लोचन,

कृ.8. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए:

1.	विज्ञान	2.	भौतिक
3.	अशांत	4.	मानवता

उत्तर:

1.	वि + ज्ञान उपसर्ग – वि	2.	भूत + इक प्रत्यय – इक
3.	अ + शांत उपसर्ग – अ	4.	मानव + ता प्रत्यय – ता

कृ.9.निम्नलिखित शब्दों के सरलार्थ:

1.	विज्ञानज्ञान	2.	यंत्रयान
3.	वाष्पशक्ति	4.	धनबल
5.	मानवआत्मा	6.	मानवउर

उत्तर:

1.	विज्ञान की समझ	2.	मशीनें
3.	भाप की ताकत	4.	पैसे का ज़ोर
5.	मनुष्य की आत्मा	6.	मनुष्य का हृदय

पाठ पर आधारित प्रश्नात्तरी

कृ.1. आज मानव बापू से कौन-सी आस लगाए बैठा है?

उत्तर: भले ही आज मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से अपनी सुख-सुविधा के तमाम भौतिक साधन जुटाए हैं, इसके बावजूद पूरी दुनिया में अशांति और दुख का माहौल है। सुख-सुविधाएँ होते हुए भी मनुष्य अंदर से खुश नहीं है। बापू अर्थात गांधी जी ने वास्तविक सुख-शांति को पाने का सही मार्ग सत्य, अहिंसा और मानवता बताया है। उनका यह पूर्ण विश्वास था कि इन सिद्धांतों को अपनाने से मानव को सच्चा सुख प्राप्त होगा। बापू पुन: इस धरती पर अपने साथ अपने सिद्धांतों को लाएँ, यही आस मानव बापू से आज लगाए बैठा है।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. आपकी दृष्टि में मनुष्य के भौतिक सुख के पीछे भागने का परिणाम

उत्तर: मेरे विचार से मनुष्य धन और विलासी जीवन की चाह में भटकता फिरता है और मन की शांति खो देता है। भौतिक सुख मिल जाने पर क्षणिक सुख मिल सकता है, लेकिन मन की शांति का खो जाना हमेशा के लिए दुखदाई सिद्ध होता है। भौतिक सुख के पीछे भागने वाले लोग मानवता खो देते हैं। उनकी आत्मा का मधुर अमृत सूख जाता है। वैसे भी भौतिक सुख टिकाऊ नहीं होता। भौतिक सुख की चाह मनुष्य को अंधा कर देती है। मनुष्य हैवान बन जाता है। वह समाज और घर-परिवार की मर्यादा को भी भूल जाता है। मेरी राय में भौतिक सुख की तलाश में भटकना व्यर्थ है।